# स्कूली शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करने पर दिया जोर

**देहरादून(एसएनबी)।** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) ने यूपीईएस में संबद्ध स्कूलों के प्रधानाचार्यों के लिए दो दिवसीय एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानाचार्यों को नवीन शिक्षण पद्धतियों और उद्योग से जुड़ी प्रवृत्तियों की जानकारी देना था।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप मुख्य धारा की स्कूली शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करने पर जोर दिया गया है। एक्सपोजर विजिट के दौरान प्रमुख विषयों में डिजिटल ट्रांसफर्मेशन, उभरते करियर विकल्प, उद्योग-संलग्न पाठ्यक्रम और अनुभवात्मक शिक्षण शामिल रहे। यूपीईएस के संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न सत्रों में उच्च शिक्षा के सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों की प्रत्यक्ष जानकारी दी गई। वाइस चांसलर डा. राम शर्मा ने कहा कि यूपीईएस में शिक्षा का भविष्य अकादमिक सीखने और उद्योग-आधारित कौशलों के समावेश में है। एनईपी में प्रारंभिक स्तर से ही कौशल आधारित शिक्षा पर जोर दिया गया है। सीबीएसई के जरिए स्कूल प्रमुखों से जुड़कर स्कूली और उच्च शिक्षा के बीच की खाई को कम करना चाहते हैं, ताकि छात्र विभिन्न उद्योगों में उभरते करियर की संभावनाओं के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकें। सीबीएसई के प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानाचार्यों को ज्ञान और संसाधनों से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यूपीईएस का यह एक्सपोजर विजिट प्रधानाचार्यों के लिए नवीन शैक्षणिक प्रथाओं और उद्योग-समेकित शिक्षण मडलों को प्रत्यक्ष रूप से देखने का एक मूल्यवान अवसर रहा। कार्यक्रम का समापन प्रमाण पत्र वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें स्कूलों के प्रधानाचार्यों को शिक्षा के भविष्य को संवारने की प्रतिबद्धता को सम्मानित किया गया।

एक्सपोजर विजिट में शामिल प्राचार्य।

**■ सीबीएसई स्कूलों के प्रधानाचार्यों ने किया यूपीईएस का विजट**